हलचल के वायुमण्डल में योगयुक्त, निर्भय, निरसंकल्प हो निर्णय करो

आज दोनों दादियों का सन्देश लेकर बाबा के पास गई। बापदादा ने बहुत मीठा मधुर मिलन मनाया। बाद में मैंने वर्तमान समय का वायुमण्डल सुनाया और सन्देश सुनाया, सुनते ही ऐसे लगा जैसे बाबा के सामने सर्व फारेन के बच्चे इमर्ज हैं और बापदादा बहुत स्नेह और शक्ति रूप से दृष्टि दे रहे हैं। कुछ समय के बाद बाबा बोले, हालतें तो हर दिन बदलती रहती हैं। इसलिए जिन भी बच्चों को आना है उन दिनों का ताज़ा वातावरण देख योगयुक्त बुद्धि से निर्भय, शुभ, निरसंकल्प हो निर्णय कर आ सकते हैं। अगर देहली से नहीं आ सकते, अहमदाबाद से ही आना पड़ता है तो अमृतवेले के बाद जल्दी सवेरे-सवेरे निकल आयें तो ठीक पहुँच जायेंगे। पहले भी जब अमेरिका में खिटखिट हुई थी तब भी निश्चयबुद्धि बच्चों को सब साधन मिल गये, सेफ पहुँच गये थे क्योंकि यह हलचल तो समय-प्रति-समय अपना रूप दिखाती ही रहेगी। अभी भी सब ठीक पहुँच रहे हैं। आप आने चाहते हैं, उमंग है तो मना नहीं करो।